www.tamsasanket.com

वर्ष: 05 || अंक 290 || लखनऊ

शुक्रवार

23 जनवरी 2026 ||पृष्ठ: 04|| मूल्य: ₹ 2

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम

सूर्योदय: 06:55

सूर्यास्त: 05:41

अधिकतम: 22:00

न्यूनतम: 12:00

पेज 03

विशेष समाचार | क्या हिंदुओं की जातीय ... >> पेज 02 | सपाइयों-कांग्रेसियों को उल्टा ... >> पेज 04 | फ्लाइट में सीट विवाद पर कियारा ...

सनातन धर्म और भारत एक दूसरे के पूरक, सोनीपत में नागे बाबा मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की

धर्म किसी पर थोपा नहीं जा सकता : योगी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

सोनीपत। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को हरियाणा के सोनीपत पहुंचे, जहां उन्होंने मुरथल के नागे बाबा मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लिया. इस कार्यक्रम में हरियाणा के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली भी मौजूद रहे. इस दौरान मंच से जनता को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने प्रयागराज में चल रहे शंकराचार्य विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी. सीएम ने संतों के नाम के जयकारों के साथ अपने भाषण की शुरुआत की. उन्होंने कहा, 'एक योगी ,एक संत के लिए, एक सन्यासी के लिए धर्म व राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता, उसकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी कुछ नहीं होती. धर्म ही उसकी प्रॉपर्टी है और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है. कोई धर्म के खिलाफ आचरण करता है, क्योंकि ऐसे बहुत कालनेमि होंगे, जो धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने की साजिश रच रहे होंगे, हमे उनसे सतर्क रहना होगा. सनातन धर्म को कमजोर करने वाली ताकतों से सतर्क रहना होगा. आज जब दुनिया संघर्ष से गुजर रही है, भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है. प्रयागराज की त्रिवेणी में आस्था की डुबकी से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है.' सीएम योगी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत में नाथ संप्रदाय सबसे प्राचीन और प्रभावशाली परंपराओं में से एक है. यह संप्रदाय समाज को जीवन जीने की सही दिशा देता है और सनातन धर्म को मजबूत करने में इसकी अहम भूमिका रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सनातन संस्कृति और राष्ट्र निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है. गुलामी की मानसिकता और विदेशी प्रभावों को पीछे छोड़ते हुए भारत विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है.

>> (शेष पेज 04 पर)

"मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'धर्म की आड़ में सनातन धर्म को बदनाम करने की साजिश हो रही है. आज प्रयागराज में चार करोड़ श्रद्धालुओं ने मोनी अमावस्या में आस्था की डुबकी लगाई है. नागे बाबा मंदिर में आयोजित मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोजक विधायक बाबा बालकनाथ महाराज सहित सभी आयोजकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं. उन्होंने गुरु परंपरा का मान बढ़ाने वाले मंदिर के महंत को भी विशेष रूप से बधाई दी. सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि धर्म की उपासना होनी चाहिए, लेकिन उसे किसी पर थोपा नहीं जा सकता."

राष्ट्रीय सुरक्षा और युवाओं की भूमिका

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कोई भी देश भारत को सेना के बल पर दबा नहीं सकता. भारत के जवान दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं. जब दुश्मन सीधे युद्ध में सफल नहीं होता तो वह युवाओं को नशे की गिरफ्त में डालने की कोशिश करता है, जिसे हर हाल में विफल करना होगा. हरियाणा की धरती से भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया, जो कर्म और कर्तव्य का संदेश देता है.

राजनीति और राष्ट्रहित

सीएम योगी ने कहा कि राजनीति राष्ट्रवादी सोच रखने वाले लोगों के हाथों में होनी चाहिए. बीते 11 वर्षों में देश ने सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत किया है. राम मंदिर निर्माण कभी कल्पना था, लेकिन मजबूत सरकार के कारण वह आज साकार हुआ है. अयोध्या में राम मंदिर की पताका लहरा रही है और काशी धाम में भी ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिल रहा है.

सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि धर्म की उपासना होनी चाहिए, लेकिन उसे किसी पर थोपा नहीं जा सकता. हरियाणा की धरती से भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया, जो कर्म और कर्तव्य का संदेश देता है. उन्होंने धर्मांतरण और लव जिहाद जैसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने की बात दोहराई. मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियां देवतुल्य हैं, उन्हें प्रदूषित करने का अधिकार किसी को नहीं है. तालाबों का संरक्षण और नदियों के पुनर्जीवन पर जोर देते हुए उन्होंने हरियाणा में सरस्वती नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का उल्लेख किया.

श्रद्धा और सांस्कृतिक उपलब्धियां

उन्होंने बताया कि दो वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा का कार्य संपन्न कराया गया था और अब तक लगभग 45 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या धाम के दर्शन कर चुके हैं. हर मंदिर को धाम के रूप में विकसित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है. जो भी ताकतें सनातन धर्म और राष्ट्र की एकता को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगी, उनके खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा. शताब्दी महोत्सव का आयोजन लक्ष्य है और यह कार्यक्रम हर दृष्टि से विकास और सांस्कृतिक उत्थान का प्रतीक बनेगा.

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सनातन संस्कृति और राष्ट्र निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है. गुलामी की मानसिकता और विदेशी प्रभावों को पीछे छोड़ते हुए भारत विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है. भारत का हित सुरक्षित होगा तो सनातन धर्म स्वतः सशक्त होगा, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं. उन्होंने कहा कि आने वाले एक हजार वर्षों तक भारत विश्व में नेतृत्व करेगा. इसके लिए केवल सरकार नहीं, बल्कि समाज और जनता को भी विकास में भागीदार बनना होगा.

नशा मुक्ति पर सख्त संदेश

सीएम योगी ने नशे को समाज और राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया. उन्होंने कहा कि बाबा बुद्ध नाथ के आशीर्वाद से मुरथल क्षेत्र में मांसाहार नहीं होता, उसी तरह यहां नशा मुक्त समाज भी बनाया जा सकता है. नशा पीढ़ियों को खत्म कर देता है, इसलिए इसके खिलाफ अभियान चलाना आवश्यक है. सीमाओं के पार से आने वाले नशे को रोकने और इसके सप्लायर्स पर सख्त कार्रवाई की बात कही. नागे बाबा मंदिर में आयोजित मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोजक विधायक बाबा बालकनाथ महाराज सहित सभी आयोजकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं. उन्होंने गुरु परंपरा का मान बढ़ाने वाले मंदिर के महंत को भी विशेष रूप से बधाई दी.

- कार्यक्रम में मंच पर मौजूद यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ एवं मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा व अन्य।
- कार्यक्रम में पहुंचे उत्तर प्रदेश सीएम योगी आदित्यनाथ।
- सोनीपत डीसी मौके पर निरीक्षण करते हुए।

आप्शनल रूट तैयार किया गया

मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां की हैं। कार्यक्रम स्थल पर योगी के आगमन से पहले हरियाणा पुलिस के जवानों ने सुरक्षा व्यवस्था परखी। नागे बाबा मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भी भारी पुलिस बल की तैनाती की गई। ट्रैफिक प्लान के लिए ऑप्शनल रूट प्लान तैयार किया गया। जिला प्रशासन ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण कराया है। गुरुवार सुबह सोनीपत डीसी ने मौके पर पहुंचकर कार्यक्रम का निरीक्षण किया था। कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई के लिए कई टीमें तैनात की गई हैं।

बांग्लादेश टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने की कगार पर

आईसीसी ने कल कहा था- इंडिया में ही खेलना होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश ने गुरुवार को भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार कर दिया, जिसके बाद टीम का टूर्नामेंट से बाहर होना तय माना जा रहा है। एक दिन पहले ही ICC ने स्पष्ट किया था कि बांग्लादेश के सभी ग्रुप मैच भारत में ही कराए जाएंगे। इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने मांग की थी कि उसके सभी मुकाबले भारत की बजाय श्रीलंका में कराए जाएं। ICC ने बुधवार को यह मांग खारिज कर दी और BCB को इस पर फैसले के लिए एक दिन का समय दिया था। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने नेशनल टीम के खिलाड़ियों के साथ आज ढाका में बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में हमारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंता अब भी बनी हुई है।'

- टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के सभी ग्रुप मैच मुंबई और कोलकाता में प्रस्तावित हैं लेकिन उसने भारत में खेलने से इनकार कर दिया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

राहुल ने सिर पर गमछा बांधा, कंधे पर कुदाल रखी

मनरेगा बचाओ सम्मेलन में बोले- वीबी-ग्राम-जी जुमला है

- नई दिल्ली में रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय मनरेगा श्रमिक सम्मेलन में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे।
- मजदूर देशभर से जो मिट्टी अपने साथ लाए थे, उसे पौधों में डाला।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि वे VB-GRAM-G बिल के बारे में नहीं जानते। उन्होंने कहा, 'VB-GRAM-G' जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है। राहुल ने गरीबों से अपील की कि वे इस नए बिल के विरोध में एकजुट हों। राहुल रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय मनरेगा श्रमिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में राहुल और खड़गे ने सिर पर गमछा बांधा, कंधे पर कुदाल रखी और देशभर से मजदूरों की लाई मिट्टी पौधों में डाली। सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि सरकार का मनरेगा को निरस्त करना महात्मा गांधी के नाम को लोगों की यादों से मिटाने की कोशिश है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

नीतीश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट

सीवान। सीवान में CM नीतीश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट हुआ है। ये धमाका पटाखा बनाने के दौरान एक घर में हुआ। इसमें एक की मौत हुई है। धमाके की आवाज 2 KM दूर तक सुनी गई। धमाका इतना जोरदार था कि मरने वाले का सिर और पैर 20 फीट दूर जाकर गिरा। धड़ के भी चिथड़े उड़ गए हैं। मृतक की पहचान बड़रम गांव के जाल बदर के 50 साल के मुर्तुजा मंसूरी के रूप में हुई है।

कॉलेज स्टूडेंट ने क्लास में किया सुसाइड

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर के एक कॉलेज में स्टूडेंट के सुसाइड का मामला सामने आया है। छात्रा का सुसाइड क्लास में लगे कैमरे में कैद हो गया था। घटना का 4 मिनट 38 सेकंड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। बुधवार शाम को लापता हो गई थी। तलाशी के दौरान वह क्लास में फंदे पर झूलती हुई मिली। सुसाइड करने वाली छात्रा की पहचान 19 वर्षीय शिवानी अहीर के रूप में हुई है। शिवानी गांधीनगर के सेक्टर-7 स्थित जेएम चौधरी कॉलेज में सेकंड ईयर की स्टूडेंट थी। कॉलेज से मिली जानकारी के मुताबिक, शिवानी मूल रूप से पाटण जिले के सानियातार गांव की रहने वाली थी।

मैतेई शख्स की गोली मारकर हत्या

इंफाल। मणिपुर में मैतेई गुट के एक शख्स की आदिवासी महिला से अफेयर के चलते गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मयांगलांबम ऋषिकांत (38) के रूप में हुई है। वह काकचिंग खुनौ का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार, 21 जनवरी की रात अज्ञात बदमाशों ने तुइबुओंग इलाके से ऋषिकांत का अपहरण कर लिया और बाद में चुराचांदपुर के टी नटजांग गांव में उसकी हत्या कर दी।

ट्रम्प ने जंग सुलझाने वाला बोर्ड ऑफ पीस लॉन्च किया

पाकिस्तानी पीएम मौजूद थे, भारत से कोई नहीं, 60 देशों को न्योता भेजा 20 पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

दोहा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को दावोस में जंग सुलझाने के लिए बनाए गए 'बोर्ड ऑफ पीस' को लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि इस बोर्ड का शुरुआती मकसद गाजा में हुए युद्धविराम को मजबूत करना है, लेकिन आगे चलकर यह दूसरे ग्लोबल विवादों में भी भूमिका निभा सकता है। व्हाइट हाउस ने इस बोर्ड में शामिल होने के लिए 60 देशों को न्योता भेजा था, लेकिन सिर्फ 20 देश ही हस्ताक्षर समारोह में मौजूद रहे। इसमें पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ के अलावा सऊदी अरब, कतर, UAE, अर्जेंटीना और पराग्वे के नेता मौजूद थे। भारत से कोई हस्ताक्षर समारोह में शामिल नहीं हुआ। वहीं अमेरिका के सहयोगी माने जाने वाले ज्यादातर यूरोपीय देश भी इस समारोह से गायब रहे।

>> (शेष पेज 04 पर)

"ट्रम्प ने दावा किया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने यह बयान स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान दिया। पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि पुतिन को न्योता दिया गया था और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। दूसरी तरफ पुतिन ने कहा है कि बोर्ड में औपचारिक भागीदारी पर अंतिम फैसला रणनीतिक साझेदारों से सलाह के बाद ही लिया जाएगा।"

कानपुर में महाना-महेश त्रिवेदी के समर्थक भिड़े, क्रेन से 11 क्विंटल की माला पहनाई

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने 20 किमी लंबा रोड शो निकाला

स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी कानपुर में 20 किलोमीटर लंबा रोड शो कर रहे हैं। इस दौरान जाजमऊ में स्वागत का पोस्टर लगाने के लिए भाजपाई आपस में भिड़ गए। पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का बैनर लगाया गया था, उसके ऊपर विधायक महेश त्रिवेदी का बैनर लगा दिया गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह पंकज चौधरी का पहला कानपुर दौरा है। जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर पर चढ़कर फूलों की बारिश की। वहीं क्रेन के जरिए उन्हें मालाएं पहनाई गईं। कार्यकर्ताओं ने पंकज चौधरी को गदा भेंट कर सम्मानित किया।

>> (शेष पेज 04 पर)

"प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- हम कार्यकर्ता हैं। हमें कार्यकर्ता होने के नाते 2027 में सरकार बनानी है। प्रचंड बहुमत से बनानी है। यही समर्पित कार्यकर्ता की पहचान है। मैं आपसे वचन चाहता हूं कि आज से ही चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। क्योंकि चुनाव का अब एक साल ही बचा है।"

- पंकज चौधरी पर फूलों की बारिश हुई तो उन्होंने हाथ जोड़कर समर्थकों का अभिवादन किया।
- क्रेन से ये माला भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को पहनाई जाएगी। गंगा में मोटर बोट से मछुआ समाज के लोगों ने गैस गुब्बारे छोड़े।

हादसा : 10 जवानों की जान गई, 11 घायल, सड़क पर बर्फ के चलते फिसली गाड़ी

सेना की गाड़ी 400-फीट गहरी खाई में गिरी

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना की गाड़ी 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। इसमें 10 जवानों की मौत हो गई, जबकि 11 को एयरलिफ्ट कर उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल भेजा गया है। हादसा भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप के पास हुआ। डोडा के डिप्टी कमिश्नर हरविंदर सिंह ने बताया कि सड़क पर बर्फ होने की वजह से ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया। सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में सवार 21 जवान डोडा से ऊपरी पोस्ट पर जा रहे थे। सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि जान गंवाने वाले और घायल जवान किन राज्यों से हैं भद्रवाह-चंबा रोड जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश को जोड़ता है। रास्ते में ऊंचे पहाड़, गहरी खाइयां और घने जंगल हैं। सड़क बेहद संकरी है और कई जगह तीखे मोड़ (हेयरपिन बेंड) हैं। जहां हादसा हुआ, उस खन्नी टॉप इलाके की समुद्र तल से ऊंचाई 9 हजार फीट है। यहां मौसम तेजी से बदलता है। ठंड और कोहरा छाया रहता है। बर्फबारी के बाद यह रास्ता ज्यादा खतरनाक हो जाता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस हादसे पर दुख जताया। इन्होंने कहा कि हमने अपने जिन वीर जवानों को खोया है, उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

तीन दिन पहले आतंकियों से मुठभेड़ में एक जवान शहीद हुआ था

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की तलाश के दौरान 18 जनवरी को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान 8 जवान घायल हो गए थे। शहीद जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई थी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि डोडा से आई दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ।

स्थानीय लोगों ने मृतक और घायल जवानों को खाई से निकाला।

एयरलिफ्ट करके घायल जवानों को उधमपुर के मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया।

झारखंड के देवघर में ट्रेन और ट्रक की टक्कर

देवघर। झारखंड के देवघर में गुरुवार को तेज रफ्तार ट्रेन रेलवे क्रॉसिंग पर खड़े ट्रक से टकरा गई। इस घटना के बाद ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। साथ ही एक बाइक और स्कूटी ट्रक के नीच दब गई। दोनों के परखच्चे उड़ गए। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रेन के आने की सूचना पर रोहिणी नावाडीह रेलवे फाटक को बंद किया जा रहा था। इसी दौरान धान से लदा ट्रक रेलवे क्रॉसिंग पर फंस गया। इसी बीच जसीडीह से आसनसोल जा रही गोंडा-आसनसोल पैसेंजर ट्रेन आ गई। ट्रेन आता देख ट्रक के ड्राइवर और बाइक-स्कूटी सवार लोग भाग गए। आसपास के लोगों ने बताया, 'घटना के समय रेलवे फाटक पूरी तरह बंद नहीं था। इसी दौरान धान से लदा ट्रक फाटक पार कर रहा था। तभी तेज रफ्तार पैसेंजर ट्रेन फाटक पर आ गई और ट्रक से टकरा गई। ट्रक कुछ दूरी तक घसीटता चला गया। मौके पर मौजूद मोटरसाइकिल सवार अपनी बाइक छोड़कर भाग निकले, वहीं ट्रक चालक भी सुरक्षित उतरने में सफल रहा।'

कर्नाटक राज्यपाल ने विधानसभा में अभिभाषण की 3 लाइन पढ़ीं

सदन छोड़कर निकले, मनरेगा के जिक्र पर आपत्ति

इनकार

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को राज्य विधानमंडल के जॉइंट सेशन को संबोधित किया। उन्होंने सरकार के तैयार भाषण की केवल तीन लाइन ही पढ़ीं और सदन से बाहर चले गए। एक दिन पहले राज्यपाल ने सेशन संबोधित करने से इनकार किया था। गहलोत के भाषण को CM सिद्धारमैया ने असंवैधानिक बताते हुए कहा- संविधान के अनुच्छेद 176 और 163 के तहत राज्यपाल को मंत्रिमंडल का तैयार पूरा भाषण पढ़ना अनिवार्य है। राज्यपाल ने अपना भाषण दिया। यह संविधान का उल्लंघन है। दरअसल, राज्यपाल गहलोत सरकार के तैयार भाषण के पैरा नंबर 11 पर नाराज हैं। इनमें लिखा है कि केंद्र सरकार ने यूपीए काल में शुरू की गई मनरेगा (MGNREGA) योजना को कमजोर किया है।

- भाषण के बाद विधायकों का अभिवादन करते हुए जाते गवर्नर थावरचंद गहलोत।
- कांग्रेस के विधायकों ने राज्यपाल गहलोत को जब घेरने को कोशिश की तो सिक्योरिटी ने उन्हें हटाया।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

सेवानिवृत्ति पर सुनीता विलियम्स का बड़ा संदेश

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स इन दिनों भारत दौरे पर हैं। 22 से 25 जनवरी तक चलने वाले केरल साहित्य महोत्सव में शामिल होने के लिए सुनीता देश आई हुई हैं। 20 जनवरी को सुनीता विलियम्स ने दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में हिस्सा लिया, इस दौरान उन्होंने एक अहम बात कही कि इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सुनीता विलियम्स की यह बात उन तमाम सरकारों और अंतरिक्ष को अपने कारोबार का हिस्सा बनाने वाले धनपशुओं को सुननी चाहिए, जिनके लिए अंतरिक्ष भी धन कमाने और दुनिया पर दबदबा बनाने का जरिया बन गया है। जबकि शोध और अनुसंधान के नाम पर इस ब्रह्मांड से खिलवाड़ का हक उन्हें नहीं है। सुनीता विलियम्स का यह दौरा भारत के लिए खुशी का अवसर है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां समूची मानवता को गौरवान्वित करने वाली हैं ही, देश इस बात पर और गर्व कर सकता है कि सुनीता विलियम्स की जड़ें भारत से जुड़ी हैं। खास बात ये है कि सुनीता विलियम्स ऐसे वक्त भारत आई हैं, जब नासा से उनकी सेवानिवृत्त होने की सूचना आई है। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा में 27 साल की सेवाएं देने के बाद 27 दिसंबर, 2025 को सुनीता विलियम्स सेवानिवृत्त हुई हैं। उनका अंतिम मिशन मार्च 2025 में पृथ्वी पर लौटने के साथ पूरा हुआ। इसके बाद उन्होंने यह फैसला लिया कि अब नयी पीढ़ी के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रास्ता खोलने का समय आ गया है। सुनीता का कहना है कि अंतरिक्ष उनका 'सबसे पसंदीदा स्थान रहा है, लेकिन अब चांद और मंगल की ओर बढ़ते मानव मिशनों में उनकी भूमिका एक प्रेरणा के रूप में रहेगी। एक अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सुनीता विलियम्स का जीवन साहस, भरोसे और वैज्ञानिक समर्पण की मिसाल है। उनका रिटायरमेंट किसी डर का नतीजा नहीं, बल्कि एक गौरवशाली अध्याय के सम्मानजनक समापन की कहानी है। यहां डर की बात इसलिए कही गई है क्योंकि डेढ़ साल पहले जून 2024 में जब महज 8 दिनों के मिशन पर सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुईं तो 8 दिन करीब 9 महीनों तक खिंच गए। लेकिन धरती के पार अंतरिक्ष में बैठी सुनीता विलियम्स ने अद्भुत हिम्मत के साथ इस मिशन को भी पूरा किया। यह स्टारलाइनर का पहला क्रू मिशन था और इसे एक टेस्ट फ्लाइट के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन तकनीकी खराबियों के चलते मिशन तय समय पर पूरा नहीं हो सका। हालात ऐसे बने कि स्टारलाइनर बिना क्रू के वापस लौट आया और सुनीता विलियम्स को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ही रुकना पड़ा। इस दौरान सोशल मीडिया और कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में 'फंस' गई हैं। अंग्रेजी वेबसाइट एनडीटीवी के साथ बातचीत में जब उनसे इस बारे में पूछा गया कि क्या उन्होंने खुद को फंसा हुआ महसूस किया, तो उन्होंने साफ कहा, 'मैं खुद ऐसा महसूस नहीं करती। मुझे प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है' हम स्पेसक्राफ्ट कैसे बनाते हैं, कैसे लॉन्च करते हैं और कैसे फैसले लेते हैं।' नासा के मुताबिक स्टारलाइनर मिशन में आई दिक्कतें भविष्य के कमर्शियल स्पेस मिशनों के लिए अहम सबक साबित हुईं। खुद सुनीता ने कहा कि वे पहले से जानती थीं कि यह एक टेस्ट फ्लाइट है और इसमें दिक्कतें आ सकती हैं। ऐसे में आईए-सएस क्रू का हिस्सा बनना योजना का ही हिस्सा था। सुनीता विलियम्स की केवल यही उपलब्धि नहीं है, बल्कि उनके नाम कई और रिकॉर्ड भी शामिल हैं। 1998 में नासा के लिए चुनी गईं सुनीता विलियम्स ने तीन स्पेस मिशन में कुल 608 दिन अंतरिक्ष में बिताए, जो किसी भी नासा अंतरिक्ष यात्री के लिए दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने इस दौरान 9 स्पेसवॉक किए, जिनकी कुल अवधि 62 घंटे 6 मिनट रही। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री द्वारा किया गया सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। वे अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली दुनिया की पहली इंसान भी बनीं हैं। इसके साथ ही सुनीता विलियम्स आईएसएस की कमांडर भी रहीं जिसका मौका बहुत कम महिलाओं को मिला है। नासा के प्रशासक जेरेड आइज़कमैन ने सुनीता विलियम्स की सेवानिवृत्ति पर कहा कि, 'सुनीता विलियम्स इंसानी स्पेसफ्लाइट में एक अग्रदूत रही हैं। विज्ञान और तकनीकी को आगे बढ़ाने में उनके काम ने चांद पर आर्टेमिस मिशन और मंगल की ओर बढ़ने की नींव रखी है। उनकी असाधारण उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने, उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती रहेंगी।' जेरेड आइज़कमैन की ये बात शब्दशः सही है। सुनीता विलियम्स से पहले कल्पना चावला ने भी भारत का नाम रौशन किया था। वे अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं। फरवरी 2003 में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया की दुर्घटना में उनकी

क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत?

> **"अक्सर सवाल उठाया जाता है कि विगत 100 वर्षों में कोई प्रमुख दलित या आदिवासी संघ सरसंघचालक नहीं बना जिससे आंतरिक ब्राह्मण वर्चस्व के आरोप बने हुए हैं। आरक्षण पर अस्पष्ट रुख और जाति जनगणना को राजनीतिक दुरुपयोग रोकने की शर्त रखना आलोचना का कारण बना। वहीं छुआछूत जैसी प्रथाएं ग्रामीण भारत में बनी हुई हैं।**

प्राचीनकाल में मनुस्मृति से लेकर आधुनिक काल के संविधान तक हिंदू समुदाय में जिस जातिवाद को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में बढ़ावा दिया गया, वह अब दुनिया के तीसरे बड़े धर्म सनातन (हिन्दू) के लिए अभिशाप साबित हो रहा है। जिस तरह से सियासी गोलबंदी के लिए जातिवाद को हवा दी जा रही है, वह किसी लोकतांत्रिक कलंक से कम नहीं है। अब तो प्रशासनिक और न्यायिक निर्णय भी इसे हवा देते प्रतीत हो रहे हैं। मसलन, इससे निरंतर कमजोर हो रहे हिन्दू समाज की एकजुटता के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की चिंता स्वाभाविक है। यह उन जैसे सैकड़ों मशहूर लोगों के लिए भी सार्वजनिक चिंता का विषय रहा है लेकिन हमारी संसद और सरकार के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जातिवादी खिलौने से मतदाताओं को फुसलाने की संवैधानिक तरकीब उसने विकसित कर ली है और आधिकारिक निर्णयों में भी इसका भौंडा प्रदर्शन दिखाई दे जाता है। बता दें कि विगत 18 जनवरी 2026 को छत्रपति संभाजीनगर में संघ सरचालक मोहन भागवत ने कहा कि जातिगत भेदभाव समाप्त करने के लिए जाति को मन से मिटाना होगा जो ईमानदारी से करने पर 10-12 वर्षों में संभव है। एक तरह से उनका यह बयान जातिवाद की गहरी जड़ों को देखते हुए आशावादी तो लगता है लेकिन इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठते हैं क्योंकि जाति भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना में गहराई से बसी हुई है। अब तो संविधान से लेकर जनगणना तक इसने घुसपैठ कर ली है। इसलिए जब तक सत्ता प्रतिष्ठान को सद्बुद्धि नहीं आएगी, तबतक जाति मुक्त भारत या हिन्दू समाज की परिकल्पना बेमानी प्रतीत होती है। इसलिए यक्ष प्रश्न पुनः समुपस्थित है कि क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत? क्या जाति आधारित आरक्षण सम्बन्धी सोच को बदल पाएंगे मोहन भागवत क्योंकि जबतक ऐसा नहीं होगा, उनकी तमाम कोशिशें नाकाफी प्रतीत होंगी! फ़िलवक्त मोहन भागवत ने बताया कि जाति मूल रूप से पेशे से जुड़ी थी लेकिन बाद में भेदभाव का कारण बनी। उन्होंने जोर दिया कि कानून या घोषणाओं से नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने से यह जटिल समस्या हल होगी। देखा जाए तो यह युगांतरकारी विचार पहले भी व्यक्त किया गया है जैसे 2023 में जाति को 'पंडितों की देन' उन्होंने ही बताया था लेकिन नेताओं और नौकरशाहों की संवैधानिक हठधर्मिता शायद उन्होंने विस्मृत कर डाली ताकि आरक्षणवादी कोहराम न मचाएं। कहना न होगा कि जातिवाद मुक्त भारत और हिन्दू समाज की राह में कई व्यवहारिक चुनौतियाँ भी हैं क्योंकि जातिवाद ग्रामीण रोजगार, विवाह और राजनीति में प्रबल है जहां आरक्षण और वोट बैंक इसे बनाए रखते हैं। भले ही प्रतिक्रियाओं में इसे 'चुनावी जुमला' कहा गया, क्योंकि ऐसे बयान कार्रवाई में नहीं बदलते। यही वजह है कि सामाजिक सुधारों के बावजूद अंतरजातीय विवाह कम हैं और भेदभाव जारी है। यह ठीक है कि इस दिशा में जारी ईमानदार प्रयास से जागरूकता बढ़ सकती है लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और कानूनी सख्ती के बिना 10-12 वर्षों का लक्ष्य अवास्तविक लगता है। फिर भी यदि यह पुनीत सपना साकार होता है तो इससे नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण में सहायता मिल सकती है। वहीं नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण से ही यह पवित्र सपना साकार होगा। देखा जाए तो आरएसएस ने जातिवाद समाप्ति के लिए लंबे समय से सामाजिक समरसता व सामाजिक सद्भाव को प्रमुख लक्ष्य बनाया है जिसमें जागरूकता अभियान, गांव-स्तरीय प्रयास और शाखाओं के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना शामिल है हालांकि, आलोचक इसे सतही मानते हैं क्योंकि संगठन की आंतरिक संरचना और ऐतिहासिक रुख में जातिगत प्रभाव दिखता रहा है। बावजूद इसके, आरएसएस ने 2023 से सामाजिक समरसता परियोजनाद्द शुरू की जिसमें 13,000+ गांवों में कुओं, श्मशानों और मंदिरों में दलित प्रवेश पर रोक हटाने का सर्वे और जागरूकता अभियान चलाया। वहीं संघ शाखाओं (95,000+) के जरिए कार्यकर्ता गांवों, स्कूलों और मंदिरों में जाकर छुआछूत विरोधी संदेश फैलाते हैं, साथ में सामूहिक भोज के द्वारा भोजन करते हैं और सामूहिक विवाह को बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि बिहार, हरियाणा, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे चुनावों में हिंदू वोटों को जाति से ऊपर उठाने में संघ की उपर्युक्त पहल सहायक साबित हुई जिससे भाजपा को प्रत्यक्ष लाभ हुआ। साथ ही शाखाओं में जाति-निरपेक्षता का वातावरण स्थापित हुआ। यही नहीं, संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठकों में भी इसे प्राथमिकता दी गई जैसे 2024 के आम चुनावों तक इस विषयक अभियान चलाने का फैसला संपन्न हुआ। वहीं, संगठन के भीतर जारी आंतरिक प्रयास के तहत संघ की शाखाओं में जाति को नजरअंदाज कर द्दसभी हिंदू एक परिवारद्द का सिद्धांत अपनाया जाता है, जिसकी शुरुआत संस्थापक हेडगेवार ने की थी। वहीं, संवैधानिक आरक्षण पर भी समर्थन जताया गया है ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों आदि का भरोसा आरएसएस में मजबूत हो हालांकि हालिया बयानों में इसे जातिवाद बढ़ाने वाला भी कहा गया। साथ ही साल 2024 में जाति जनगणना का संघ ने समर्थन किया ताकि योजनाएं बेहतर हों, बशर्ते राजनीतिक दुरुपयोग न हो। कहना न होगा कि आरएसएस के इन सदाशयी प्रयासों के बावजूद, उस पर ब्राह्मण वर्चस्व और आरक्षण विरोध के पुराने आरोप लगते रहे हैं। आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों पर कई गंभीर आलोचनाएं भी आई हैं जो मुख्य रूप से इनके प्रचारात्मक, असंगठित और हिंदू एकता को प्राथमिकता देने वाले स्वरूप पर केंद्रित हैं जिसके चलते आलोचक इन्हें सतही बताते हैं क्योंकि संगठन ने जाति व्यवस्था को जड़ से चुनौती नहीं दी।

■ कमलेश पांडेय

घरेलू बचत को ... — पंकज जायसवाल

बजट स्थायित्व लाने वाला होना चाहिए

भारत का केंद्रीय बजट केवल आय व्यय का लेखा-जोखा नहीं होता बल्कि यह देश की आर्थिक सोच, नीति प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा का सालाना और दीर्घकालिक दोनों का औपचारिक दस्तावेज़ भी होता है। मेरा मानना है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, धीमी वैश्विक वृद्धि और घरेलू आर्थिक आवश्यकताओं के बीच प्रस्तुत होने वाला यह बजट किसी बड़े झटके या चौंकाने वाली घोषणाओं का मंच नहीं बल्कि स्थिरता, निरंतरता और संरचनात्मक मजबूती का संदेश देने वाला होना चाहिए। इस बजट से अपेक्षा भावनात्मक नहीं बल्कि यथार्थवादी दृष्टि से की जानी चाहिए। वित्त मंत्री के रूप में निर्मला सीतारमण द्वारा इस बार भी बजट पेश करने की निरंतरता भी यह दर्शाती है कि सरकार की नीयत इस विभाग और वित्त की नीतियों में स्थायित्व ही है. यह बजट स्थायित्व वाला है कि नहीं, इसका सबसे पहला और बड़ा संकेत यही होगा कि सरकार किसी प्रकार के प्रयोगात्मक या लोकलुभावन रास्ते पर जा रही है नहीं। मेरा आकलन है कि यह एक कंटिन्युइटी बजट होगा जहाँ न तो बड़े कर सुधार देखने को मिलेंगे और न ही ऐसे मुफ्त उपहार जो राजकोषीय अनुशासन को खतरे में डालें। जीएसटी के सुधार त्योहारों में हो गए थे और आयकर में भी सुधार पिछली बजट में हो गया था. सरकार का मुख्य उद्देश्य यह दिखाना होगा कि भारत एक पूर्वानुमेय, अनुशासित और निवेश के अनुकूल अर्थव्यवस्था है। वैश्विक निवेशकों और रेटिंग एजेंसियों के लिए यह भरोसे का संकेत अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजकोषीय अनुशासन भी इस बजट का केंद्रीय स्तंभ बना रहेगा। सरकार एक बार फिर यह स्पष्ट करेगी कि उसका मध्यम अवधि का लक्ष्य राजकोषीय घाटे को GDP के लगभग 4.5 प्रतिशत तक लाना है। इसका अर्थ यह नहीं कि खर्च कम किया जाएगा बल्कि खर्च को अधिक गुणवत्तापूर्ण और उत्पादक बनाया जाएगा। पूंजीगत व्यय आधारित वृद्धि की रणनीति पर कोई समझौता नहीं होगा। राजस्व अनुमानों में भी यथार्थवाद दिखेगा ताकि बाद में संशोधन या असंतुलन की स्थिति न बने। इस संदर्भ में अवसंरचना और पूंजीगत व्यय की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने जिस तरह से रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेसवे, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाहों और शहरी अवसंरचना पर निवेश बढ़ाया है, उसी प्रवृत्ति को आगे बढ़ाया जाएगा। मेट्रो परियोजनाएँ, स्मार्ट सिटी से जुड़े काम, शहरी परिवहन और हरित अवसंरचना इस बजट में प्रमुख स्थान पाएँगे। खास बात यह होगी कि अब केवल बजट आवंटन नहीं बल्कि क्रियान्वयन की गति और दक्षता पर जोर रहेगा, ताकि निजी निवेश को भी आकर्षित किया जा सके। विनिर्माण क्षेत्र और 'मेक इन इंडिया' इस बजट का एक और अहम आयाम होंगे। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं का विस्तार अंधाधुंध न होकर अधिक परिष्कृत और परिणामोन्मुख होगा। जिन क्षेत्रों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ है, वहाँ पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा। फोकस अब मात्र उत्पादन संख्या से हटकर मूल्यवर्धन, निर्यात क्षमता और रोजगार सृजन पर रहेगा। वैश्विक सप्लाई चेन में हो रहे बदलाव जहाँ चाइना प्लस वन की जगह चाइना प्लस मेनी का सिद्धांत उभर रहा है भारत के लिए अवसर भी हैं और चुनौती भी। यह बजट भारत को 'असेंबली इकॉनमी' से 'इंडस्ट्रियल इकॉनमी' की ओर ले जाने की सोच को मजबूत करेगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम तथा रोजगार सृजन को लेकर भी इस बजट से बहुत शोर-शराबे की उम्मीद नहीं करनी चाहिए लेकिन इसका महत्व कम नहीं होगा। सरकार यहाँ मुफ्त योजनाओं के बजाय संरचनात्मक सहायता पर ध्यान देगी। आसान ऋण उपलब्धता, क्रेडिट गारंटी का विस्तार, भुगतान चक्र को तेज करना और अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाना ये सभी कदम MSME सेक्टर को स्थिरता देंगे। मेरा आकलन है कि रोजगार को सीधे सब्सिडी से जोड़ने के बजाय, कौशल विकास और उत्पादकता बढ़ाने के जरिए रोजगार सृजन का रास्ता चुना जाएगा। कर व्यवस्था के मोर्चे पर भी यही संतुलन दिखेगा। किसी बड़े टैक्स रिफॉर्म या क्रांतिकारी बदलाव की संभावना कम है। हालांकि, व्यक्तिगत आयकर में कुछ छोटे राहत उपाय, स्लैब या रिबेट में सीमित संशोधन, तथा TDS/TCS और कैपिटल गेन से जुड़ी जटिलताओं को सरल करने के संकेत मिल सकते हैं। GST को लेकर भी दरों में बड़े बदलाव के बजाय अनुपालन सरलीकरण, विवाद समाधान और प्रक्रिया सुधार पर जोर रहेगा। सरकार यह स्पष्ट संकेत देगी कि राजस्व स्थिरता उसके लिए सर्वोपरि है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर इस बजट का एक ऐसा पक्ष होगा जिस पर शायद बहुत शोर न हो, लेकिन दीर्घकाल में इसका प्रभाव गहरा होगा। UPI, अकाउंट एग्रीगेटर, ONDC और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार के माध्यम से अर्थव्यवस्था को और अधिक औपचारिक बनाने की दिशा में कदम बढ़ेंगे। घरेलू बचत को भौतिक परिसंपत्तियों से वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर मोड़ने का प्रयास भी जारी रहेगा। यह बदलाव भारत को एक डिजिटल-शासित और पारदर्शी अर्थव्यवस्था की ओर ले जाता है। सामाजिक क्षेत्र में सरकार का दृष्टिकोण विस्तारवादी नहीं बल्कि लक्षित रहेगा। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर आधारित योजनाएँ, पोषण, महिलाओं से जुड़ी पहलें और आवास कार्यक्रमों की निरंतरता बनी रहेगी। लेकिन किसी नए बड़े अधिकार-आधारित या सार्वभौमिक कल्याण कार्यक्रम की संभावना कम है। कल्याण योजनाओं का उद्देश्य अधिक लोगों तक पहुँचना नहीं बल्कि सही व्यक्ति तक सही समय पर पहुँचना होना चाहिए। जी राम जी पर फोकस दिख सकता है क्यूंकि नाम बदलने के साथ ही सरकार इसे अब खुद के द्वारा लागू की गई योजना के रूप में प्रचारित करेगी। इस बजट से यह भी स्पष्ट समझना जरूरी है कि किन चीज़ों की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। सार्वभौमिक आय योजना, बड़े पैमाने पर कृषि ऋण माफी, अचानक बड़े निजीकरण एलान या GST दरों में तीखे कट, ये सभी इस बजट के एजेंडे में नहीं होंगे।

काजोल ज्यादातर ... — सुभाष शिरढोनकर

शानदार एक्टिंग की परंपरा को आगे बढा रही हैं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट 'गली बॉय' (2019) और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' (2023) के बाद एक बार फिर रणवीर सिंह के साथ फिल्म 'प्रलय' में नजर आने वाली हैं। यदि खबरों की माने तो रणवीर सिंह फिल्म 'धुरंधर' (2025) की सुपर सक्सेस के बाद अब जल्दी ही अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं जिसे जय मेहता बना रहे हैं। सर्वाइवल ड्रामा 'प्रलय' एक जॉम्बी-थ्रिलर है। सूत्र के हवाले से खबर आ रही है कि 'प्रलय' की 'कहानी में फीमेल लीड एक्ट्रेस एक लव इंटरेस्ट के तौर पर होने के बावजूद यह किरदार बेहद अहम है । इस किरदार को मेकर सिर्फ एक लव इंटरेस्ट के तौर पर पेश करना नहीं चाहते बल्कि इस किरदार को निभाते हुए आलिया भट्ट एक ढहती हुई दुनिया में फिल्म के हीरो के विचारों को चुनौती देती नजर आएंगी। 'प्रलय' के अलावा आलिया भट्ट के पास 'अल्फा', 'ब्रह्मास्त्र- पार्ट 2' और 'लव एंड वॉर' जैसी फिल्में हैं। वहीं रणवीर सिंह 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार 'धुरंधर- पार्ट 2' में नजर आएंगे। आलिया की तुलना अक्सर काजोल के साथ की जाती है। लेकिन आलिया ने काजोल की तुलना में कहीं ज्यादा विविध किरदार निभाए हैं। काजोल ज्यादातर रोमांटिक, ड्रामेटिक, या फैमिली ड्रामा फिल्मों में नजर आईं जबकि आलिया ने थ्रिलर, बायोपिक, और सोशल ड्रामा तक हर जोनर में हाथ आजमाते हुए खुद को साबित किया है। काजोल के इमोशनल सीन में ऑडियंस को रूलादेने वाली एक गहराई हुआ करती थी। काजोल की तरह आलिया भी इमोशंस को सिल्वर स्क्रीन पर काफी दमदार तरीके से पेश करती हैं लेकिन उनकी शैली थोड़ी मॉडर्न और सूक्ष्म है जो आज की पीढ़ी की ऑडियंस को ज्यादा पसंद आती है। काजोल की स्क्रीन प्रजेंस में उनकी एनर्जी उनकी बोल्डनेस से आती थी जबकि आलिया की स्क्रीन प्रजेंस उनकी सादगी और किरदार में डूबने की काबिलियत से बनती है। काजोल के फैंस का मानना है कि आलिया के पास वह करिश्मा और जादू नहीं है जो काजोल में था। उन फैंस के दिलो दिमाग पर 'दिलवाले दुल्हनिया' 'कुछ कुछ होता है' या 'कभी खुशी कभी गम' वाला काजोल का असर आज भी बरकरार है। काजोल के कुछ फैंस का मानना है कि आलिया की सफलता उनके फिल्मी बैकग्राउंड और मौजूदा दौर के प्रमोशन की वजह से है वर्ना वह काजोल के सामने कहीं नहीं टिकतीं जबकि आलिया के फैंस को लगता है कि वह काजोल से कहीं आगे हैं। वे उनकी मेहनत, वर्सटिलिटी, और लगातार अच्छी फिल्में देने की तारीफ करते हैं। कुछ लोग तो इन दोनों एक्ट्रेस की तुलना को ही गलत मानते हैं। उनके लिए काजोल अपने समय की रानी थीं और आलिया आज की सुपरस्टार हैं। दोनों का टैलेंट अपने-अपने दौर के हिसाब से बेमिसाल है। काजोल ने अपने समय में जो किया, वह उस दौर के सिनेमा के हिसाब से शानदार था। उनकी फिल्में भावनाओं और मास अपील पर टिकी थीं जबकि आलिया आज के सिनेमा की जरूरतों—वर्सटिलिटी, ग्लोबल अपील और स्टोरी-ड्रिवन किरदारों—को पूरा करती हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने... — अशोक भाटिया

राज्यपाल और मुख्यमंत्री में बढ़ता विवाद

हाल ही में, तमिलनाडु विधानसभा में राज्यपाल द्वारा विधानसभा सत्र की शुरुआत में राज्य सरकार द्वारा उन्हें पढ़ने के लिए सौंपे गए अभिभाषण के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया गया। राज्यपाल द्वारा अभिभाषण के छोड़े गए हिस्से बीआर अंबेडकर, द्रविड़ नेताओं, शासन के द्रविड़ मॉडल और तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की स्थिति से संबंधित थे। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें केवल तमिल में मूल मुद्रित भाषण को रिकॉर्ड में रखने की मांग की गई। राज्यपाल ने इस पर अभूतपूर्व प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रगान बजने से पहले ही सदन से बहिर्गमन कर दिया। गौरतलब है कि इससे पहले पश्चिम बंगाल (1965), राजस्थान (1967), पंजाब (1969), त्रिपुरा (2017) और केरल (2018) तथा राजस्थान के राज्यपालों ने भी राज्य सरकार द्वारा भेजे गए अभिभाषण को पढ़ने से इनकार कर चुके हैं। दरअसल संविधान के अनुच्छेद 175 के तहत राज्यपाल द्वारा वर्ष की विधान सभाओं के पहले सत्र को संबोधित करने की प्रथा है इसे एक पता कहा जाता है। यह नई सरकार के गठन के बाद या नई विधान सभा के गठन के बाद पहले सत्र में पहला सत्र भी है। सामान्य प्रथा यह है कि भाषण, हालांकि राज्यपाल द्वारा दिए जाते हैं, आमतौर पर कैबिनेट द्वारा लिखे और अनुमोदित किए जाते हैं , केवल राज्यपाल द्वारा पढ़े जाते हैं, जैसा कि संसद को संबोधित करने वाले राष्ट्रपति के मामले में होता है। राष्ट्रपति, जो संसद को भी संबोधित करते हैं, को भी केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया जाता है, और चूंकि यह कैबिनेट का भाषण होता है, इसलिए राष्ट्रपति या राज्यपाल पिछले वर्ष में सरकार की उपलब्धियों और आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताते हैं। लेकिन वायसराय ने ग्रेट ब्रिटेन की रानी का प्रतिनिधित्व किया। इसलिए उनके भाषण में मेरी सरकार का जिक्र हुआ। इस ब्रिटिश परंपरा को तोड़ने के लिए महामहिम रवि और राजेंद्र को बधाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो भी परंपराएं छोड़ी हैं, उन्हें स्वयं 'गंगारदेपनमास्तु' का महामंत्र दिया है। जब सभी स्वयंसेवकों ने उस काम के लिए खुद को समर्पित कर दिया है तो राज्यपाल कैसे पीछे रह सकते हैं। वे दोनों सार्वजनिक प्रशंसा के पात्र हैं क्योंकि उन्होंने सभी महामहिमों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह सराहनीय था कि रवि ने मुख्यमंत्री स्टालिन के भाषण को पढ़ने से इनकार कर दिया, और यहां तक कि राजनीतिक तिरस्कार की स्थिति में विधायिका से बाहर भी चले गए, जो आमतौर पर विधायिका के अनियंत्रित विधायकों के लिए आरक्षित होता है। तमिलनाडु के महामहिम ने इस अवसर पर विपक्ष के साथ हाथ मिलाया और मुख्यमंत्री स्टालिन के लिखित भाषण को अस्वीकार कर दिया और जो स्वीकार्य नहीं था उसे पढ़ने से बेहतर बाहर निकल जाना बेहतर समझा और भारी मन से बैठक से बाहर चले गए। लेकिन वह अपने अहंकार को स्वीकार नहीं करता था और पढ़ने तक ही सीमित था और एक पुलिस अधिकारी था, और आज्ञाकारिता की आदत उसके खून में रची-बसी हुई थी, और उसने यह तय करके ऐसा किया होगा कि जब वह सेवा में सेवानिवृत्त होगा तो किसकी आज्ञा माननी है। स्टालिन सरकार ने कहाः इस राज्य के युवाओं ने बड़ी संख्या में व्यापार में भाग लेना शुरू कर दिया है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत चिंताजनक है और शराब और गार्डल जैसे नशेड़ियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। महामहिम ने इस प्रकार स्टालिनवादी सरकार के एक नहीं, दो नहीं, तीन नहीं, बल्कि 13 दावों का खंडन किया, जो इतना सभ्य था कि इसे विधानसभा में प्रदर्शित न करना अशिष्टता होती, और इसलिए उन्होंने अपना भाषण नहीं पढ़ा। वह सदन से बाहर निकलकर राजभवन गए और वहां से उन्होंने राज्य सरकार की 13 खामियों और भाषण न पढ़ने के कारणों के बारे में बताया। राजेंद्र काफी हद तक तेजस्वी रवि से मिलते-जुलते थे, जिन्हें मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की सरकार द्वारा लिखे गए भाषण को भी मंजूरी नहीं थी। मैंने भाषण के कुछ हिस्सों को नहीं पढ़ा और कुछ स्थानों को बदल दिया। इसलिए राजेंद्र को रवि की तरह सदन से बाहर नहीं जाना पड़ा। इस विश्वास के हिस्से के रूप में, उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन की सरकार द्वारा तैयार किए गए भाषण में खामियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि तमिलनाडु एक निवेश नेता था। तमिलनाडु में जीवन स्तर बढ़ रहा है। महामहिम रवि ने कहा... इसके विपरीत, यह बिगड़ रहा है और महिलाएं अब इन राज्यों में सुरक्षित नहीं हैं। मुख्यमंत्री विजयन ने राजेंद्रन को उनके भाषण के बाद औपचारिक विदाई दी और बाद में भाषण का हटाया गया और बदला हुआ पाठ प्रस्तुत किया। केरल में संबोधन हुआ और मुख्यमंत्री जी जो पढ़ना नहीं चाहते थे, वो बाद में समझा पाए। उन्होंने कहा कि उनका राज्य इसके लिए संविधान संशोधन की मांग करेगा। यद्यपि यह भूमिका सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित है, लेकिन इसमें कुछ बदलावों का सुझाव देना वांछनीय है। उदाहरण के लिए, यदि केवल अभिभाषण रद्द किया जाना है, तो विधानसभा सत्र की पूर्व संध्या पर विपक्ष को चाय पर आमंत्रित करने की प्रथा को भी बंद कर दिया जाना चाहिए। या संतरे का जूस पिएं। हालांकि, अगर इसे खत्म करना और संबोधन की उच्च परंपरा को खत्म करना बहुत मुश्किल है, तो रवि और राजेंद्र को पदोन्नत किया जाना चाहिए और बारी-बारी से उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भेजा जाना चाहिए। नियुक्तियां सीधे राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति के कार्यालयों में की जा सकती हैं। क्योंकि ऐसे शानदार सज्जन की बहुत जरूरत है। रवि और राजेंद्र राजपुरी की फुर्ती के प्रतीक हैं।

पीडब्लूएल में हर्षिता की टीम ने यूपी को दी मात

अंतिम की टीम टॉप, ओलिंपिक मेडलिस्ट गुजमान लोपेज 5-0 से क्लीन स्वीप

झज्जर, एजेंसी

PWL में 9वां मैच यूपी डोमिनेटर्स और महाराष्ट्र केसरी की टीम के खिलाड़ियों के बीच हुआ। 9 वें मैच में कई कड़े मुकाबले देखने को मिले। वहीं हरियाणा के हिसार की बेटी हर्षिता मोर की टीम ने हिसार जिले की रहने वाली अंतिम पंघाल की टीम को 5-4 से मात दी। हालांकि इस मैच में भी अंतिम पंघाल अनबिटेबल रही और पेरिस ओलिंपिक में रजत पदक जीतने वाली गुजमान लोपेज को 5-0 से क्लीन स्वीप किया। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में तपस्या गहलावत ने मनीषा भानवाला के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए पावर मिनट में निर्णायक टेक डाउन-एंड-टर्न के दम पर हाई-स्कोरिंग मुकाबला 12–9 से अपने नाम किया। वहीं दोनों टीमों के बीच आखरी मैच तक मुकाबले रोमांचक रहे और 4-4 की बराबरी के बाद फैसला आखरी बाउट में हुआ। हालांकि, यह जीत नतीजे को बदलने के लिए पर्याप्त नहीं रही और महाराष्ट्र केसरी ने मुकाबला 5–4 से अपने नाम किया। अंतिम बाउट में यूपी डोमिनेटर्स को महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में सांत्वना जीत मिली, जहां अंतिम पंघाल ने पेरिस ओलिंपिक पदक विजेता गुजमान लोपेज यूसनेलिस को 5–0 से हराया। हालांकि, यह जीत नतीजे को बदलने के लिए पर्याप्त नहीं रही और महाराष्ट्र केसरी ने मुकाबला 5–4 से अपने नाम किया।

हिसार की हर्षिता मोर ओजो दामोला पर दांव लगाते हुए।

> वहीं इस मैच में यूपी डोमिनेटर्स की ओर से खेल रही हरियाणा के झज्जर जिले की बेटी जूनियर वर्ल्ड चैंपियन तपस्या गहलावत की शानदार परफॉरमेंस के लिए उसे फाइटर ऑफ द मैच चुना गया है। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए मैचडे सात के इस मुकाबले में महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में हर्षिता का शानदार फॉल निर्णायक साबित हुआ।

आतिश ने झज्जर के राहुल देसवाल को हराया

पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में महाराष्ट्र ने अपनी बढ़त और मजबूत की, जहां आतिश ठोड़कर ने राहुल देसवाल को 15–13 से हराया। दोनों पहलवानों के बीच लगातार अंकों का आदान-प्रदान हुआ, लेकिन मध्य चरण में ठोड़कर का नियंत्रण और अहम एक्सपोजर निर्णायक साबित हुआ। अंतिम बाउट में यूपी डोमिनेटर्स को महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में सांत्वना जीत मिली, जहां अंतिम पंघाल ने पेरिस ओलिंपिक पदक विजेता गुजमान लोपेज यूसनेलिस को 5–0 से हराया।

हिसार की अंतिम पंघाल गुजमान लोपेज पर दांव लगाते हुए।

दो हार के बाद भी अंतिम पंघाल की टीम टॉप

इस जीत के साथ महाराष्ट्र केसरी चार अंकों और 14 बाउट जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वहीं, करीबी हार के बावजूद यूपी डोमिनेटर्स चार अंकों और बेहतर 16 बाउट जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। हर्षिता मोर को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि यूपी डोमिनेटर्स की अंडर-20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियन तपस्या गहलावत को फाइटर ऑफ द मैच चुना गया।

मुजीब की टी-20 इंटरनेशनल में पहली हैट्रिक

अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को 39 रन से हराया, सीरीज अपने नाम की

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान ने दुबई में खेले गए दूसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को 39 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। स्पिनर मुजीब उर रहमान ने अपने टी-20 करियर की पहली हैट्रिक ली। जबकि सेदीकुल्लाह अटल और दरविश रसूली ने अर्धशतक लगाए। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 189 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम 18.5 ओवर में 150 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगान टीम ने पहला मैच 38 रन से जीता था। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला आज शाम दुबई में ही खेला जाएगा। पहले बैटिंग करने उतरी

अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही और 4.5 ओवर में टीम का स्कोर 37/2 था। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल और दरविश रसूली ने तीसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। अटल ने 42 गेंदों में 53 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। रसूली ने 39 गेंदों में 68 रन की पारी खेली, उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के लगाए। अंत में ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने 13 गेंदों में नाबाद 26 रन की तेज पारी खेली। उनकी पारी में एक चौका और दो छक्के रहे। वेस्टइंडीज की ओर से मैथ्यू फोर्डे ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। शमार जोसेफ और रेमन सिमंड्स को एक-एक विकेट मिला। 190 रन के टारगेट का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम ने 8 ओवर में 38 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। मुजीब उर रहमान ने लगातार गेंदों पर एविन लुईस और जॉनसन चार्ल्स को आउट किया। कप्तान ब्रैंडन किंग और शिमरोन हेटमायर ने चौथे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। किंग ने 41 गेंदों में 50 रन बनाए। जबकि हेटमायर ने सिर्फ 17 गेंदों में 46 रन जड़ दिए, जिसमें एक चौका और छह सिक्स शामिल रहे। ब्रैंडन किंग का विकेट मुजीब की हैट्रिक विकेट रहा।

फास्ट न्यूज़

प्रिटोरिया कैपिटल्स एसए20 सीजन-4 के फाइनल में

डरबन। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने साउथ अफ्रीका की लीग SA20 के सीजन-4 के फाइनल में जगह बना ली है। कैपिटल्स ने बुधवार को खेले गए पहले क्वालिफायर मैच में दो बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप को 7 विकेट से हरा दिया। सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 170 रन बनाए। जॉनी बेयरस्टो ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए।

गाजा 'बोर्ड ऑफ पीस' में 8 इस्लामिक देश शामिल होंगे

दोहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बनाए गाजा 'बोर्ड ऑफ पीस' में 8 इस्लामिक देशों ने शामिल होने पर सहमति जताई है। इन देशों में कतर, तुर्किये, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) शामिल हैं। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने कतर की राजधानी दोहा संयुक्त बयान इसका ऐलान किया। बयान में कहा गया है कि सभी देशों ने साझा फैसला लिया है। हर देश अपने-अपने कानूनी और जरूरी प्रक्रियाओं के तहत इसमें शामिल होने से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेगा। ट्रम्प ने पहली बार पिछले साल सितंबर 2025 में गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने करीब 60 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता भेजा है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, सेंसेक्स ऊपरी-स्तर से 800 अंक गिरा

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 22 जनवरी (गुरुवार) को उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बाजार ने सुबह अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन दिन के कारोबार के दौरान ऊपरी स्तरों से मुनाफावसूली हावी हो गई। सेंसेक्स अपने दिन के हाई से करीब 800 अंक नीचे आ गया। वहीं निफ्टी भी 25,200 के स्तर के नीचे कारोबार कर रहा है। शुरुआती तेजी के बाद बिकवाली के दबाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है।

ओ रोमियो के ट्रेलर लॉन्च में नाराज हुए नाना पाटेकर

डायरेक्टर विशाल भारद्वाज बोले- वो बदमाश बच्चे की तरह हैं

मुंबई, एजेंसी

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म ओ रोमियो का ट्रेलर लॉन्च इवेंट रखा गया था। सीनियर एक्टर नाना पाटेकर भी फिल्म का हिस्सा हैं। वो भी ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचे थे, हालांकि जब लीड एक्टर्स शाहिद और तृप्ति ने आने में देर कर दी तो नाना पाटेकर नाराज होकर इवेंट से निकल गए। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेलर लॉन्च इवेंट बुधवार दोपहर 12 बजे शुरू होना था। नाना पाटेकर समय के पाबंद हैं। वो ठीक 12 बजे तैयार होकर इवेंट में पहुंच गए थे, हालांकि शाहिद कपूर और तृप्ति नहीं पहुंचे थे। नाना पाटेकर ने करीब एक घंटे तक इवेंट शुरू होने का इंतजार किया, लेकिन जब लीड स्टार्स तब भी नहीं पहुंचे तो नाना पाटेकर गुस्से में इवेंट छोड़कर निकल गए। नाना पाटेकर का इवेंट से निकलते हुए एक वीडियो भी सामने आया है।

ओ रोमियो के डायरेक्टर ने दिया रिएक्शन

फिल्म के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज ने नाना पाटेकर की नाराजगी पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने इवेंट में नाना पाटेकर पर कहा, 'नाना यहां से चले गए हैं, लेकिन उनके लिए बोलना चाहिए। नाना जो हैं, जैसे स्कूल में बदमाश बच्चा होता है न जो सबका मजाक उड़ाता है, जो सबसे ज्यादा एंटरटेन करता है और जिसके साथ सब रहना चाहते हैं, नाना के अंदर वो है।

मां के गलती से सीट पर बैठने के बाद एक्ट्रेस के हाव-भाव पर उठे सवाल

फ्लाइट में सीट विवाद पर कियारा आडवाणी पर भड़का इन्फ्लुएंसर

नई दिल्ली। फैंस अक्सर अपने पसंदीदा सितारों की एक झलक पाने और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए घंटों इंतजार करते हैं। लेकिन कई बार सेलिब्रिटीज का व्यवहार उनकी चमक-दमक से बिल्कुल उलट नजर आता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के साथ हुए अपने कथित अनुभव को साझा करते हुए उन्हें लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। कार्तिकेय के मुताबिक, उनकी मां को सीट नंबर को लेकर थोड़ी कन्फ्यूजन हो गई और वह गलती से कियारा आडवाणी की सीट पर बैठ गईं। हालांकि, जैसे ही एयरहोस्टेस ने सीट की जानकारी दी, उनकी मां बिना किसी बहस के तुरंत वहां से उठ गईं।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़

इस वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। कुछ यूजर्स ने कियारा आडवाणी के व्यवहार को 'रूढ़' बताते हुए आलोचना की, तो वहीं कुछ ने इन्फ्लुएंसर की मां के शांत और संयमित रवैये की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा कि उनकी मां का कंपोज्ड व्यवहार वाकई सराहनीय है।

फ्लाइट में हुआ वाकया

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कार्तिकेय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर दावा किया कि वह हाल ही में अपनी मां के साथ जयपुर से मुंबई की फ्लाइट में बिजनेस क्लास से सफर कर रहे थे। इसी फ्लाइट में कियारा आडवाणी और अभिनेता कार्तिक आर्यन भी मौजूद थे, जो अपनी फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' के प्रमोशन के सिलसिले में यात्रा कर रहे थे।

सेल्फी से भी किया इनकार

कार्तिकेय ने आगे बताया कि फ्लाइट लैंड होने के बाद कैबिन क्रू ने कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन से सेल्फी लेने की गुजारिश की थी।

> इन्फ्लुएंसर का दावा है कि इस मामूली गलती के बावजूद कियारा आडवाणी के चेहरे पर नाराजगी साफ नजर आ रही थी। उनके अनुसार, एक्ट्रेस के एक्सप्रेशन्स से ऐसा लगा जैसे वह किसी 'नॉन-सेलिब्रिटी' के उनकी सीट पर बैठने से असहज हो गई हों। कार्तिकेय ने वीडियो में कहा कि उस पल कियारा का रिएक्शन उनके दिमाग में छप गया।

सर्वे में दूसरे नंबर पर पहुंची, इसने देश की आजादी का विरोध किया था

पाकिस्तान समर्थक इस्लामिक पार्टी सरकार बना सकती है

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में अगले महीने होने वाले आम चुनाव में एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिल सकता है। लंबे समय तक राजनीति से बाहर रही पाकिस्तान समर्थक कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी पहली बार सरकार बनाने के बेहद करीब पहुंचती नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हाल ही में हुए दो अलग-अलग सर्वे में जमात देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) को कड़ी टक्कर दे रही है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को 300 सीटों संसदीय पर आम चुनाव होंगे। जमात-ए-इस्लामी वही पार्टी है जिसने 1971 में बांग्लादेश की आजादी का विरोध किया था और पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। देश की आजादी के बाद 1972 में इस पर बैन लगा दिया गया था। यह बैन 1975 में हटाया गया और 1979 में जियाउर रहमान के शासन में पार्टी को चुनाव में भाग लेने की अनुमति मिली। एक्सपर्ट्स का मानना है कि लोगों में पिछली सरकार की नीतियों को लेकर गुस्सा है, जिसका फायदा जमात को मिला। पार्टी अब 'इस्लाम ही समाधान है' का नारा देकर खुद को एक नैतिक विकल्प के रूप में पेश कर रही है।

सर्वे में जमात और बीएनपी में मामूली अंतर

अमेरिकी संस्था इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट (IRI) ने दिसंबर में कराए गए एक सर्वे में बताया था कि BNP को 33% और जमात को 29% लोगों का समर्थन मिला है। वहीं जनवरी में किए गए एक जॉइंट सर्वे में BNP को 34.7% और जमात को 33.6% समर्थन मिला था। यह सर्वे नरेटिव, प्रोजेक्शन BD, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड डिप्लोमेसी (IILD) और जगोरन फाउंडेशन ने मिलकर किया था।

> जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान का कहना है कि उनकी पार्टी अब विरोध और टकराव की राजनीति नहीं बल्कि लोगों के हितों की राजनीति कर रही है। उन्होंने मेडिकल कैंप लगाने, बाढ़ पीड़ितों की मदद करने और आंदोलन में मारे गए लोगों के परिवारों को सहायता देने की बात कही।

यूरोपीय यूनियन ने भारत से रक्षा समझौते को मंजूरी दी

ईयू बोला- आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी

ब्रुसेल्स, एजेंसी

यूरोपीय यूनियन (EU) ने भारत के साथ नए रक्षा समझौते (सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट) को मंजूरी दे दी है। अगले हफ्ते नई दिल्ली में होने वाले भारत-EU शिखर सम्मेलन में इस पर साइन होंगे EU की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास ने बुधवार को यूरोपीय संसद में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा यह साझेदारी एक बड़े रणनीतिक एजेंडे का हिस्सा होगी। इस एजेंडे में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी मुक्त व्यापार समझौता (FTA), डिफेंस एंड सिक्योरिटी डील, साइबर सिक्योरिटी, समद्री सुरक्षा और काउंटर टेररिज्म शामिल है। यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत आ रहे हैं। वे 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। भारत-EU शिखर सम्मेलन अगले दिन 27 जनवरी को होगा। कलास ने बताया कि भारत और EU के बीच सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट से आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे समुद्री सुरक्षा और साइबर सिक्योरिटी जैसे सेक्टर्स में सहयोग बढ़ेगा। कलास ने कहा कि यूरोप भारत के साथ एक नए और मजबूत एजेंडे पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत, यूरोप की आर्थिक मजबूती के लिए बहुत जरूरी होता जा रहा है। भारत आ रहे EU के प्रतिनिधिमंडल में लगभग 90 सदस्य शामिल होंगे। इनमें काजा कलास, ट्रेड कमिश्नर मारोस सेफकोविक और कई डायरेक्टर्स रहेंगे। भारत और EU के बीच 27 जनवरी को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन हो सकते हैं। इसके लिए दोनों देश कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करेंगे।

मंजूरी : 12,000 करोड़ के आईपीओ को सेबी की मंजूरी, वॉलमार्ट 9% हिस्सेदारी बेचेगी, माइक्रोसॉफ्ट एग्जिट होगी

फोनपे ने अपडेटेड डीआरएचपी फाइल किया

मुंबई, एजेंसी

भारत की सबसे बड़ी डिजिटल पेमेंट कंपनी फोनपे ने अपने IPO के लिए नए डॉक्यूमेंट्स यानी अपडेटेड DRHP (UDRHP) फाइल किया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने कंपनी को बाजार में लिस्ट होने की मंजूरी भी दे दी है। यह IPO पूरी तरह से 'ऑफर फॉर सेल' (OFS) होगा, यानी कंपनी कोई नए शेयर जारी नहीं करेगी। बल्कि इसके पुराने निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। कंपनी की इस IPO के जरिए करीब 12,000 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी है। सेबी से मंजूरी मिलने के बाद अब कंपनी रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (ROC) के पास आरएचपी (RHP) फाइल करेगी। माना जा रहा है कि 2026 के मध्य तक फोनपे शेयर बाजार में दस्तक दे सकती है। इस IPO के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल, सिटी बैंक, मॉर्गन स्टेनली और जेपी मॉर्गन जैसे बड़े इन्वेस्टमेंट बैंक सलाह दे रहे हैं। IPO से पहले कंपनी की वित्तीय सेहत में सुधार देखा गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में फोनपे का रेवेन्यू 41% बढ़कर 7,148.6 करोड़ रहा, जो पिछले साल 5,064.1 करोड़ था। वहीं कंपनी का घाटा भी कम होकर 1,720 करोड़ रह गया है। कंपनी ने हाल ही में जानकारी दी थी कि ईएसओपी (ESOP) खर्चों को छोड़कर उसका एडजस्टेड प्रॉफिट पांच गुना बढ़कर 630 करोड़ पर पहुंच गया है। देश के डिजिटल पेमेंट बाजार में फोनपे का दबदबा कायम है। दिसंबर 2025 के आंकड़ों के मुताबिक, UPI ट्रांजैक्शन के मामले में फोनपे की बाजार हिस्सेदारी करीब 45% है। कंपनी के पास 60 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर्स हैं और यह करीब 5 करोड़ व्यापारियों को अपनी सर्विसेज दे रही है।

वॉलमार्ट की हिस्सेदारी कम होगी, दो बड़े निवेशक निकलेंगे

फोनपे में सबसे बड़ी हिस्सेदार अमेरिकी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट है। वह इस IPO के जरिए अपनी करीब 9.06% हिस्सेदारी बेच रही है, जो 4.59 करोड़ शेयर के बराबर है। वहीं टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट और इन्वेस्टमेंट फर्म टाइगर ग्लोबल इस IPO के जरिए कंपनी से पूरी तरह बाहर हो जाएंगे। ये दोनों कंपनियां मिलकर करीब 47 लाख शेयर बेचेंगी। फिलहाल फोनपे में वॉलमार्ट की करीब 71.77% हिस्सेदारी है।

1.33 लाख करोड़ की वैल्यूएशन का अनुमान

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, फोनपे इस IPO के लिए करीब 15 बिलियन डॉलर (लगभग 1.37 लाख करोड़ रुपए) की वैल्यूएशन का टारगेट रख रही है। अगर ऐसा होता है, तो यह पेटीएम के बाद भारतीय फिनटेक सेक्टर का दूसरा सबसे बड़ा IPO होगा। कंपनी ने पिछले साल सितंबर में कॉन्फिडेंशियल रूट (गोपनीय तरीके) से ड्राफ्ट पेपर जमा किए थे, जिसे अब सेबी से हरी झंडी मिल गई है।

आज चांदी ₹15,000 और सोना ₹2,700 सस्ता हुआ

एक किलो चांदी घटकर ₹3.03 लाख पर आई, सोना ₹1.51 लाख/10ग्राम बिक रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

चांदी की कीमतों में आज यानी, गुरुवार 22 जनवरी को गिरावट है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, चांदी 5% या करीब 15 हजार प्रति किलो गिर गई। चांदी सुबह 3,03,584 रुपए पर खुली है। कल ये 3,19,097 लाख रुपए पर बंद हुई थी और कारोबार के दौरान इसने 3,20,075 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। सोना भी 2,728 रुपए गिरकर 1,51,499 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। एक दिन पहले सोने ने 1,55,204 रुपए का हाई बनाया था। फिर 1,54,277 रुपए पर बंद हुआ। अगर आप नई खरीदारी या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो एक्सपर्ट्स का मानना है कि थोड़ा और इंतजार करना सही रहेगा। अभी मुनाफावसूली का दौर चल रहा है, जिससे कीमतों में और गिरावट की संभावना है। वहीं, जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर चांदी खरीदी है, उन्हें घबराने के बजाय लंबी अवधि के लिए होल्ड करने की सलाह दी गई है क्योंकि फंडामेंटल्स अब भी मजबूत हैं। 2025 में सोना 57,033 रुपए (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए हो गई।

जोमैटो के दीपिंदर गोयल का सीईओ पद से इस्तीफा

नई दिल्ली। जोमैटो की पैरेंट कंपनी इटरनल के फाउंडर दीपिंदर गोयल ने ग्रुप CEO के पद से हटने का फैसला किया है। उनकी जगह अब ब्लिंकिट के CEO अलबिंदर ढींडसा नए ग्रुप CEO होंगे। कंपनी ने बुधवार, 21 जनवरी को स्टॉक एक्सचेंज को इसकी जानकारी दी। CEO पद से इस्तीफे की वजह बताते हुए दीपिंदर ने कहा- मैं कुछ ऐसे नए आइडिया पर काम करना चाहता हूं जिनमें जोखिम ज्यादा है और बहुत सारे प्रयोग की जरूरत है। इस तरह के आइडिया को इटरनल जैसी पब्लिक लिस्टेड कंपनी के दायरे से बाहर रहकर करना ही बेहतर है। भले ही दीपिंदर गोयल CEO पद छोड़ रहे हैं, लेकिन वे कंपनी से पूरी तरह अलग नहीं हो रहे हैं। शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के बाद वे कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में वाइस चेयरमैन के रूप में काम करेंगे। गोयल ने कहा, मैंने अपनी जिंदगी के करीब 18 साल इस कंपनी को बनाने में दिए हैं। मैं लॉन्ग-टर्म स्ट्रैटेजी, कल्चर और लीडरशिप डेवलपमेंट से जुड़ा रहूंगा।

सपाइयों-कांग्रेसियों को उल्टा टांगकर ले गई पुलिस

प्रदर्शनकारी बोले- कपड़े फाड़े, दिमाग सही करने की धमकी दी

- पुलिस प्रदर्शनकारियों को बस में बैठाकर ईको गार्डन ले गई।
- प्रदर्शनकारी संविधान की किताब पर ताला बंद करके पहुंचे।
- पुलिसकर्मियों से प्रदर्शनकारियों की जमकर धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। हजरतगंज चौराहे पर समाजवादी छात्र सभा और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) ने जोरदार प्रदर्शन किया। मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों को तोड़ने और संभल मामले में CJI के ट्रांसफर को लेकर हंगामा किया। पुलिस के साथ उनकी जमकर धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को घसीटकर बस में बैठा। कई प्रदर्शनकारियों को उल्टा टांगकर बस के अंदर ले गए। इस तैनात प्रदर्शनकारियों के कपड़े फट गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार को सनातन और संविधान विरोधी बताया। प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। हाथ में संविधान की किताब लेकर आए NSUI कार्यकर्ता शुभम ने कहा कि आज सबसे बड़ा खतरा संविधान के मंडरा रहा है। संभल में जिस प्रकार आरोपी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई करने वाले जज का तबादला हुआ यह बेहद शर्मनाक है। योगी सरकार पुलिस की गुंडागर्दी को संरक्षण दे रही है(हम लोग इसका विरोध करते हैं।

संविधान की किताब पर ताला लगाकर पहुंचे

प्रदर्शनकारी हाथ में संविधान की किताब लेकर पहुंचे। उस पर ताला लगा रखा था। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार को संविधान विरोधी बताया। संभल मामले में CJI के ट्रांसफर को रद्द करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा- यह संविधान विरोधी काम है। प्रदर्शनकारियों ने मणिकर्णिका घाट पर मूर्तियां तोड़ने का आरोप लगाते हुए सरकार से माफी मांगने की बात कही। इस दौरान प्रदेश सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाए।

अहमद ने कहा कि इस तरीके के फैसले भविष्य में नजीर बनेंगे। कोई भी जज सरकार के खिलाफ जाकर फैसला नहीं देगा। कोई फैसला करना भी चाहेगा तो उसे यह घटना याद आएगी। यह सिर्फ ट्रांसफर नहीं किया गया बल्कि डिमोशन भी कर दिया गया। आज पुलिस ने हम प्रदर्शनकारियों के साथ बेहद बर्बरता के साथ हमारे कपड़े फाड़ दिए।

3 थानों की पुलिस और आआरएफ तैनात

प्रदर्शन को देखते हुए हजरतगंज चौराहे पर 3 थाने की फोर्स के साथ RRF के जवान तैनात किए गए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में जमकर धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को घसीट और उल्टा टांगकर बसों में ले गए। धक्का-मुक्की में प्रदर्शनकारियों के कपड़े फट गए। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिसकर्मी उन्हें हिरासत में ले सके।

'पुलिस अफसर के बचाव में उतरी सरकार'

प्रदर्शन में शामिल NSUI कार्यकर्ता अहमद ने कहा कि संभल में CJI का तबादला सरकार के दबाव में हुआ है। आरोपी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई करने वाले जज के ऊपर कार्रवाई बेहद शर्मनाक है। बिल्कुल सीधी बात है कि न्यायालय के ऊपर सरकार का दबाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की के दौरान प्रदर्शनकारियों के कपड़े भी फट गए।

एडीजी जोन लखनऊ ऑफिस के बाहर जाम

उदयगंज और हुसैनगंज में 55 मिनट तक फंसे रहे वाहन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। हजरतगंज-विधानसभा रोड पर गणतंत्र दिवस समारोह के रिहर्सल परेड की वजह से रूट डायवर्जन रहा। इसकी वजह से आसपास की सड़कें जाम हो गईं। नेशनल कॉलेज के सामने जाम में एम्बुलेंस फंस गई। उदयगंज और हुसैनगंज में करीब 55 मिनट से वाहन फंसे रहे मंत्री कपिल देव अग्रवाल आवास के सामने, लालबत्ती चौराहा और VVIP गेस्ट हाउस के आसपास करीब 500 मीटर तक भीषण जाम लगा। ADG जोन लखनऊ ऑफिस के बाहर और गौतमपल्ली थाने के पास भीषण जाम लगा। इसके पहले 3 दिन अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन की वजह से हजरतगंज में हुए डायवर्जन के कारण शहर जाम में जाम लगा था। चारबाग से लेकर केकेसी, महाराणा प्रताप चौराहा, वर्लिंग्टन चौराहा, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज चौराहा, हलवासिया होते हुए के.डी सिंह बाबू स्टेडियम तक रिहर्सल परेड हुई। इससे इन क्षेत्र में यातायात प्रतिबंध लागू करके रूट डायवर्जन किया गया। वैकल्पिक मार्गों पर अधिक ट्रैफिक होने की वजह से सुबह से ही हजरतगंज के आसपास की सड़कों पर जाम लगना शुरू हो गया। दोपहर तक सड़कें पूरी तरह से जाम हो गईं। सबसे अधिक जाम की स्थिति उदयगंज चौराहा से कैंट की तरफ जाने वाली सड़क पर रहा। हजरतगंज में श्रीराम टावर के पास और नेशनल पीजी के पास भी भीषण जाम लगा।

फास्ट न्यूज

विधान भवन के सामने से निकले टैंक और बख्तरबंद गाड़ियां

लखनऊ। लखनऊ में विधान भवन के सामने से सेना के टैंक और बख्तरबंद गाड़ियां निकलीं तो हर कोई ठहर गया। गुजर रहे लोग सारे काम भूलकर वहीं खड़े हो गए। सबने मोबाइल फोन निकालकर इस पल को कैद कर लिया। दरअसल, सोमवार को होने वाले गणतंत्र दिवस परेड समारोह की आज (गुरुवार को) रिहर्सल की गई।

स्थायी वीजा ने नाम पर दिया विजिट वीजा

लखनऊ। लखनऊ में विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवक को जालसाजों ने विजिट वीजा पर सऊदी अरब भेज दिया। पीड़ित को वहां की पुलिस ने पकड़ लिया और एक साल के लिए जेल भेज दिया। पीड़ित सजा कटाने के बाद जब भारत लौट तब चिनहट थाने में तहरीर दी पर मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। कोर्ट में गुहार लगाने के बाद चिनहट थाने ने मुकदमा दर्ज करवाया है। चिनहट निवासी मोहम्मद रेहान ने बताया कि मुस्तफा ओवरसीज टूर एंड ट्रैवल्स लखनऊ के जरिए सऊदी अरब में स्थायी नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे करीब 5 लाख रुपए वसूले गए। अब्दुल्ला नाम के एक कर्मी ने स्थायी रोजगार वीजा का आश्वासन दिया था। लेकिन, स्थायी वीजा के बजाय केवल 90 दिनों का विजिट वीजा देकर 29 मई 2024 को उसे सऊदी अरब भेज दिया गया। रेहान का कहना है कि विजिट वीजा पर काम कराना अवैध था।

लाइब्रेरी संचालक को पटककर लात-घूसों से पीटा

रेवतीपुर, गाजीपुर। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नौली में एक लाइब्रेरी संचालक पर जानलेवा हमला किया गया है। गुरुवार दोपहर घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमलावर पीड़ित को सड़क पर पीटते हुए दिख रहे हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, त्रिलोकपुर निवासी पंकज कुमार राम पिता अमरनाथ राम बाबा कटरा नौली स्थित अपनी लाइब्रेरी में मौजूद थे।

उल्टी-दस्त और तेज बुखार, ट्रेनियों ने बताया -खाने में मैदा मिलाया गया

एमसी सक्सेना ट्रेनिंग सेंटर में 25 ट्रेनियों की तबीयत अचानक बिगड़ी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के एमसी सक्सेना ट्रेनिंग सेंटर में इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (EMT) ट्रेनियों की खाना खाने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई। गंभीर हालत में करीब 25 ट्रेनियों को लखनऊ के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बलरामपुर अस्पताल के SSB ब्लॉक के डेंगू वार्ड में 20 ट्रेनियों का इलाज चल रहा है। ठाकुरगंज के टीबी अस्पताल में 5 ट्रेनी भर्ती हैं। भर्ती ट्रेनियों ने तमसा रिपोर्टर को बताया- बुधवार रात में छोला-चावल, रोटी और आलू की सब्जी खायी। रात करीब 10 बजे के बाद एक-एक करके सबकी तबीयत बिगड़नी शुरू हो गई। उल्टी-दस्त और बुखार से सभी लोग कराहने लगे। इसकी सूचना सेंटर के अफसरों को दी गई। मौके पर दवाई दी गई। फायदा नहीं होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिवम ने बताया कि खाने में मैदा मिलाकर खिलाते हैं। अचानक जब सभी की तबीयत बिगड़ी तो मेडिकल किट से दवा ली। जब आराम नहीं मिला तो सभी को अस्पताल में लाया गया। बलरामपुर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देबाशीष शुक्ला ने बताया कि बीमार ट्रेनियों को इमरजेंसी में लगा गया था। अब वार्ड में उपचार चल रहा है। फूड प्वाइजनिंग के लक्षण लग रहे हैं।

छोला-चावल, रोटी और आलू की सब्जी खायी थी

एमसीसी सक्सेना कॉलेज में इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन की ट्रेनिंग चल रही है। 108 इमरजेंसी सर्विस का संचालन करने वाली EMRI कंपनी यह ट्रेनिंग कराती है। 40 दिन की ट्रेनिंग होती है। ट्रेनिंग के लिए ट्रेनी 45 हजार रुपए जमा करते हैं। कासगंज के श्यामवीर ने बताया कि खाना खाने के एक घंटे बाद तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। किसी को हाई ग्रेड फीवर आया तो किसी को वॉमिटिंग और लूज मोशन शुरू हो गया। इंचार्ज को बताया गया। दवा लेने पर जब फायदा नहीं हुआ तो एम्बुलेंस बुलाकर बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचे। अभी थोड़ी राहत है।

इमरजेंसी में ट्रेनियों का उपचार चल रहा है।

बुधवार रात और गुरुवार सुबह बिगड़ी तबीयत

बलरामपुर अस्पताल के निदेशक ने बताया कि एमसी सक्सेना एमपी ट्रेनिंग सेंटर से अचानक कई लोगों की तबीयत बिगड़ने की खबर आई। बुधवार देर रात करीब एक दर्जन ट्रेनी इमरजेंसी में ला गए हैं। उनको तत्काल भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। गुरुवार सुबह भी कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ी है। मौजूदा समय कुल 18 ट्रेनी का इलाज चल रहा। राहत की बात यह है कि सभी की हालत में सुधार है। कहीं कोई गंभीर कंडीशन में नहीं है।

25 जनवरी को प्रदेशभर में मनाया जाएगा 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार इस वर्ष 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी 2026 को प्रदेशभर में मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम "My India, My Vote" निर्धारित की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में वाद-विवाद, परिचर्चा, निबंध, चित्रकला, गीत और नाटक (स्किट) जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मतदाता शपथ दिलाई जाएगी, जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध होगी। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी 25 जनवरी को सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। चूंकि यह दिन साप्ताहिक अवकाश का है, इसलिए आयोग के निर्देशानुसार 23 या 24 जनवरी को भी शपथ कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता है। आयोग ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि मतदान के महत्व को दर्शाने वाले आधिकारिक लोगो का उपयोग अपने कार्यालयों की स्टेशनरी, वेबसाइट और अन्य माध्यमों पर किया जाए। साथ ही, कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की तस्वीरें #NVD2026 हैशटैग के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और वेबसाइट पर साझा की जाएँ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों, सचिवों, मंडलायुक्तों, विभागाध्यक्षों और जिला निर्वाचन अधिकारियों से अपेक्षा जताई है कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के कार्यक्रमों का प्रभावी और समयबद्ध आयोजन सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक नागरिक मताधिकार के महत्व के प्रति जागरूक हों। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं और आम नागरिकों में लोकतंत्र और मतदान के महत्व को समझाने में अहम भूमिका निभाते हैं। आयोजित किए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में वाद-विवाद, परिचर्चा, निबंध, चित्रकला, गीत और नाटक (स्किट) जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई हिंदी और अंग्रेजी में राष्ट्रीय मतदाता शपथ विद्यार्थियों को दिलाई जाएगी, ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी जागरूकता को और सुदृढ़ किया जा सके। इसके अतिरिक्त सभी सरकारी कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारी 25 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे राष्ट्रीय मतदाता शपथ लेंगे। चूंकि यह दिन साप्ताहिक अवकाश का है, इसलिए आयोग के निर्देशानुसार 23 या 24 जनवरी को भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

एक्सप्रेस-वे पर चलती बस में भीषण आग

धू-धू कर जली, खिड़की-दरवाजे से कूदे यात्री

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। यूपी के मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती बस में भीषण आग लग गई। आग लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार के बीच यात्रियों ने खिड़की-दरवाजों से कूदकर जान बचाई। फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। मौके पर 2 किमी लंबा जाम लग गया। पुलिस ने बताया कि हादसा गुरुवार सुबह 5.15 बजे यमुना एक्सप्रेस-वे के राया थाना क्षेत्र में हुआ। स्लीपर बस (UP 90 AT 8837) बांदा से दिल्ली जा रही थी। इसमें 10 महिलाओं और 10 बच्चों समेत 30 यात्री सवार थे। थाना प्रभारी रवि भूषण शर्मा ने बताया- शुरुआती जांच में आग लगने का कारण टायर फटना बताया जा रहा है। सभी यात्री सुरक्षित हैं। उन्हें दूसरी बस में बैठाकर भेज दिया गया है। 21 जनवरी को बांदा से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी बसः यात्रियों ने बताया कि बस बुधवार शाम बांदा से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। उसमें दो ड्राइवर और एक कंडक्टर था। करीब 5 बजे बस मथुरा के राया थाना इलाके में पहुंची। यात्री सो रहे थे। यमुना एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 110 के पास अचानक तेज धमाके की आवाज से उनकी नींद खुली। देखा तो गाड़ी के अंदर धुआं भरा था। ड्राइवर और कंडक्टर यात्रियों को छोड़कर भागेः ड्राइवर ने बस को हाईवे किनारे खड़ा कर दिया और कंडक्टर के साथ फरार हो गया।

बच्ची पर आवारा कुत्तों का हमला, 100 से ज्यादा घाव

बाराबंकी। बाराबंकी में 12 साल की एक बच्ची पर 6–7 आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। बच्ची रोती-चिल्लाती रही, वे करीब 10 मिनट तक उसे नोचते और घसीटते रहे। कुत्तों ने उसे 100 से अधिक बार काटा। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे और लाठी-डंडों से मारकर कुत्तों को भगाया। घटना नगर पंचायत बेलहरा के मोहल्ला बखरिया की है। बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है। जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया है। डॉक्टर्स का कहना है कि बच्ची को एंटी-रैबीज का इंजेक्शन दिया गया है लेकिन उसे पॉवरफुल डोज की आवश्यकता है। पिता पंकज कुमार ने बताया- उनकी बेटी ज्योति बुधवार सुबह 9 बजे पास के दुकान से दूध लेने जा रही थी। गली के बाहर करीब 6-7 आवारा कुत्तों ने उसे घेर लिया और हमला कर दिया। कुत्तों के हमले से बच्ची जमीन पर गिर गई। इसके बाद कुत्ते उस पर टूट पड़े। उसके शरीर को नोचते लगे। कुत्तों ने हाथ-पैर, पीठ और पैरों पर करीब 100 से अधिक जगहों पर काटा। खून से लथपथ बच्ची चिल्लाती रही। उसकी आवाज सुनकर पड़ोसी नूरर हसन दौड़े पहुंचे।

फांसी : कारोबारी के बेटे की किडनैपिंग करके हत्या की, 30 लाख की फिरौती मांगी थी

ट्यूशन टीचर, बॉयफ्रेंड समेत 3 को उम्रकैद

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में कारोबारी के बेटे कुशाग्र हत्याकांड में ट्यूशन टीचर उसके ब्वॉयफ्रेंड और दोस्त को उम्रकैद की सजा हुई है। मां सुनीता ने कहा कि मैं इस सजा से संतुष्ट नहीं हूं। तीनों को फांसी होनी चाहिए। जैसे उन लोगों ने मेरे बच्चे का गला दबाकर मारा है। वैसे ही उनका भी गला दबना चाहिए। दोषियों को हत्या का मलाल नहीं है, वे बहुत गंदे लोग हैं। कोर्ट ने कहा था- ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसके दोस्त आर्यन उर्फ शिवा ने कुशाग्र को किडनैप किया। 30 लाख की फिरौती के लिए उसकी हत्या कर दी। हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र की 30 अक्टूबर 2023 को हत्या हुई थी। पूरे मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से 14 गवाह पेश किए गए थे। सीसीटीवी फुटेज भी कोर्ट में दिखाए गए, जिसमें प्रभात और कुशाग्र कमरे में जाते दिखे थे। 30 लाख फिरौती का पत्र डालते हुए प्रभात और आर्यन कैद हुए थे, जबकि घटना के समय प्रभात के घर के बाहर आर्यन टहलते हुए दिखा था। 313 के बयान में रचिता ने प्रभात को और प्रभात ने भी रचिता को अपना प्रेमी बताया था। अभियोजन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलेश पाठक ने बताया कि 9 फरवरी 2024 को फाइल सत्र न्यायालय भेजी गई थी। 3 मई को आरोपियों पर आरोप तय किए गए। इसी माह सुनवाई के लिए पहली तारीख पड़ी। सेशन कोर्ट में 711 दिनों में 134 सुनवाई हुई और आरोपियों को दोषी करार दिया गया। गुरुवार को 135वीं सुनवाई में सजा सुनाई गई।

प्रभात शुक्ला – प्रेमी | रचिता वत्स – टीचर | आर्यन – दोस्त

> वहीं, कुशाग्र के चाचा ने कहा- मेरा तो बच्चा चला गया। ढाई साल से कोर्ट में दौड़ते दौड़ते मेरे परिवार के आंसू सूख गए। हत्यारों को फांसी होगी तभी मेरे बेटे की आत्मा को शांति मिलेगी। हम फांसी की मांग के लिए हाईकोर्ट जाएंगे। कोर्ट ने मंगलवार को तीनों आरोपियों को किडनैपिंग और हत्या का दोषी करार दिया था।

कुशाग्र कैंट एरिया स्थित जयपुरिया स्कूल में 10वीं का छात्र था।

600 पेज की चार्जशीट, 240 पेज की जिरह हुई

ADGC तमसा संकेत मिश्रा ने बताया कि पुलिस की ओर से मामले में 600 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। अभियोजन की ओर से 14 गवाह कोर्ट में पेश किए गए थे। ट्रायल के दौरान 240 पेज की जिरह हुई, कोर्ट में 42 कागजात साबित कराए गए थे।

पृष्ठ 01 का शेष...

धर्म किसी पर...

भारत का हित सुरक्षित होगा तो सनातन धर्म स्वतः सशक्त होगा, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं. उन्होंने कहा कि आने वाले एक हजार वर्षों तक भारत विश्व में नेतृत्व करेगा. इसके लिए केवल सरकार नहीं, बल्कि समाज और जनता को भी विकास में भागीदार बनना होगा.

बांग्लादेश टी-20...

वहीं, BCB अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा कि बोर्ड एक बार फिर ICC से बातचीत करेगा और अपनी चिंताओं को मजबूती से रखेगा। बांग्लादेश अपनी लड़ाई जारी रखेगा। ICC कितना भी कहे कि सुरक्षा का खतरा नहीं है, लेकिन हकीकत यह है कि हमारे खिलाड़ी को IPL से बाहर निकाला गया। वही देश वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि तब से अब तक क्या बदला है? प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौराना बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल। बांग्लादेश में हिंदुओं की लगातार हो रही हत्याओं के विरोध में BCCI ने बांग्लादेशी पेसर मुस्तफिजुर रहमान को IPL से बाहर करवा दिया। BCB ने इसका विरोध किया। मुस्तफिजुर को बाहर किए जाने को बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों ने मुद्दा बना दिया। फिर यूनुस सरकार ने अपने देश में IPL प्रसारण पर बैन लगा दिया। इसके बाद क्रिकेट बोर्ड ने भारत में वर्ल्ड कप ना खेलने की मांग की जिसे ICC ने ठुकरा दिया।

राहुल ने सिर पर...

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संसद के बजट सत्र में इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी। राहुल ने कहा कि मनरेगा गरीबों को अधिकार देने के लिए लाई गई योजना थी। इसका उद्देश्य जरूर-तमंदों को काम देना था। यह योजना सरकार के तीसरे स्तर यानी पंचायती राज के माध्यम से चलाई जानी थी। अधिकार शब्द महत्वपूर्ण था। सभी गरीब लोगों को मनरेगा के तहत काम करने का अधिकार था। PM मोदी-भाजपा उस कन्सेप्ट को खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले सरकार 3 काले कृषि कानून लाई थी। लेकिन हम सभी के एकजुट होकर दबाव बनाया और कानूनों को रद्द करवा दिया। नए कानून में केंद्र सरकार काम और पैसा देने का फैसला करेगी और भाजपा शासित सरकारों को हमेशा प्राथमिकता मिलेगा। राहुल ने कहा, पहले जो मजदूरों को मिलता था, वह अब ठेकेदारों और अफसरों को दिया जाएगा। भाजपा चाहती है कि संपत्ति कुछ ही हाथों में रहे ताकि गरीब लोग अडानी-अंबानी पर निर्भर रहें, यही उनका भारत का आदर्श है। वे ऐसा भारत चाहते हैं, जहां राजा ही सब कुछ तय करे। सम्मेलन में देश भर के श्रमिकों ने भाग लिया और अपने कार्यस्थलों से मुट्ठी भर मिट्टी लाकर खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में प्रतीकात्मक रूप से पौधों में डाली। कांग्रेस ने 10 जनवरी को यूपीए सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त किए जाने के विरोध में 45 दिनी राष्ट्रव्यापी अभियान मनरेगा बचाओ संग्राम की शुरुआत की थी। विपक्षी दल 'विकसित भारत - रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम' को वापस लेने और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में, यानी काम करने के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बरकरार रखते हुए, एक अधिकार-आधारित कानून के रूप में बहाल करने की मांग कर रहा है।

ट्रम्प ने जंग...

पहले माना जा रहा था कि कार्यक्रम में 35 देशों के नेता शामिल हो सकते हैं। ट्रम्प ने पिछले साल सितंबर 2025 में पहली बार गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। ट्रम्प ने पहली बार पिछले साल सितंबर 2025 में गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने करीब 60 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता भेजा है।

बीजेपी प्रदेश...

पंकज चौधरी गंगा नदी में नाव पर सवार हुए और मछुआरों के साथ भगवा रंग के गुब्बारे आसमान में छोड़े। नए प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में जाजमऊ से कानपुर यूनिवर्सिटी तक सड़क के दोनों ओर होर्डिंग्स लगाए गए हैं। यह रोड शो सीएसजेएम यूनिवर्सिटी में समाप्त होगा। भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रवक्ता अनूप अवस्थी ने बताया- पंकज चौधरी का अनोखे अंदाज में स्वागत किया गया है। जल, थल और वायु तीनों माध्यमों से उनका स्वागत हुआ। ड्रोन के जरिए ऊंचाई से पुष्प वर्षा भी की जाएगी।

कर्नाटक...

उसका बजट घटाया है, जिससे ग्रामीण रोजगार प्रभावित हुआ है। कर्नाटक सरकार का सत्र 22 जनवरी से शुरू हुआ और 31 जनवरी तक चलेगा। गहलोत ने कहा- मैं राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं। मुझे कर्नाटक विधान-मंडल के एक और संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मेरी सरकार राज्य के आर्थिक, सामाजिक और भौतिक विकास की गति दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है। जय हिंद, जय कर्नाटक। राज्यपाल के अचानक चले जाने से सत्तापक्ष के मंत्री और विधायक हैरान रह गए। कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल सहित कई मंत्रियों ने उनसे भाषण पूरा करने का आग्रह किया।

रिटायर्ड दरोगा से चेन लूटने वाले का एनकाउंटर

कानपुर पुलिस ने रोका तो फायर किया, जंगल में घेराबंदी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के रावतपुर में सीबीसीआईडी से रिटायर्ड महिला दरोगा और डिप्टी जेलर की पत्नी से चेन लूट करने वाले शातिर अपराधी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। सघन चेकिंग के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घटना में उसके दो साथी फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। गुरुवार तड़के रावतपुर के सिलेंडर चौराहे पर पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक से दो युवक आते दिखे। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो दोनों भागने लगे। शक होने पर पुलिस ने पीछा किया। घेराबंदी के दौरान बाइक सवार गिर पड़े, एक साथी मौके से फरार हो गया। दूसरा बदमाश दलहन क्रॉसिंग के पास जंगल की ओर भागते हुए पुलिस पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारकर दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा, दो जिंदा कारतूस और 4500 रुपए बरामद हुए। पकड़े गए बदमाश ने पूछताछ में अपना नाम गोंडा निवासी नियाज अहमद उर्फ छुटकन बताया। उसने फरार साथी का नाम विजय बताया है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है और फरार बदमाशों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676